

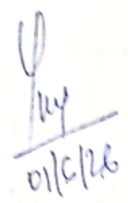


तारीख हुक्म	हुक्म या कार्यवाही या मथ इनिशियल्स जज	नम्बर अहवाल हुक्म का में का
6/04/26	पत्रावली वास्ते पेश हुई। वकील आग्रपक्ष उपस्थित। पत्रावली वास्ते वदत दि. 27/04/26 को पेश हो <div style="text-align: right;">  06/04/26 </div>	
27/4/26	पत्रावली पेश हुई। वकील आग्रपक्ष उपस्थित। पत्रावली वास्ते वदत दि. 01/6/26 को पेश हो <div style="text-align: right;">  01/06/26 </div>	
11/6/26	पत्रावली पेश हुई। वकील आग्रपक्ष उपस्थित। प्रावपत्र 09R9 CPC वदत सुनी गई। पत्रावली वास्ते मोफ्त दि. 05/6/26 को पेश हो <div style="text-align: right;">  01/6/26 </div>	
08/6/26	पत्रावली पेश हुई। वकील आग्रपक्ष उपस्थित। वदत प्रावपत्र के परिपेक्ष्य में पत्रावली पर उपलब्ध रिकार्ड का इन्वेलोकन किया गया। प्राथमिकता के विरुद्ध दि. 10/04/2018 को इकराजिमी कार्यवाही की गई थी। जबकि उक्त प्रावपत्र को set aside करने का प्रावपत्र 09R9CPC	



<p>हुकम या कार्रवाई या मस इतिहासका नाम</p>	<p>नम्बर या तारीख आदेशनाम जो इस हुकम की तालीम में जारी हुए</p>
--	--

करीब 10 दिनों के बाद 'देश' विभागाधीन
दस्तावेजों की 'cessation period' का 'relaxation'
आवृत्ति के तहत न्यायालय द्वारा 'standing'
ऑर्डर (March 2008 से 2012 तक) को दिया जा
रहा है। ex-parte order passed 11/09/08
को 'set aside' करने का आदेश under article
132 of the Limitation Act 1908 को 30
days की है। प्राथमिक से धारा-5 प्रक्रियाओं
का प्रावधान बना कर 'delay condonation'
का निवेदन किया है। प्राथमिक प्राथमिक
की गरीब व 'अशिक्षित महिला' होने के कारण
दस्तावेजों पर रचना नहीं होने, प्रकरण का
में पर निर्णय देना न्यायोचित होने का
कारणों से 2008-2009 की 'cost' पर प्राथमिक
का प्रावधान 09/09/08 CPC R.W.S 151 CPC सीका
दिया जाता है। ex-parte order dated
10/04/2018 को 'set aside' किया जाकर प्रकरण
को 'restore' किया जाता है। प्रकरण (दस्तावेज)
को जिजा रिपोर्ट क्रम से तलब किया जावे।
प्रकरण/प्रावधान केवल सुधार के लिए नंबर से
क्रम के लिए सुधार के साथ संलग्न है।



उपस्थित अतिथि
विभाग, जिला न्यायालय (तक)